शिव भोला भंडारी लिरिक्स Shiv Bhola Bhandari Lyrics

शिव भोला भंडारी लिरिक्स

भोला भंडारी, साई भोला भंडारी भोला भंडारी, साई भोला भंडारी विव्य भोला... यिव भोला... यिव भोला... यिव भोला... यिव भोला भंडारी, यिव भोला भंडारी भंलापुर ने करी त्यस्था कर दे ना विद्युपरी विसक्ष कि पर क्षांस क्षांसी भस्म हुये तन सारी यिव भोला.... यिव भोला.... यिव भोला भंडारी, यिव भोला भंडारी, साई भोला भंडारी, यिव भोला भंडारी,

अंतरा -1

शिव के सिर पर हाथ धरन की
मन में दुष्ट विचारी
भागे फिरत चहु दिस थों कर
लगा दिवा दर भारी
गिरिता रूप धर हुई है।
गिरिता रूप थर हुई है।
गिरिता रूप थर हुई है दे बोल
बात अपूर से मारी
जो तू मुझको नाम सिहायों
हों है।
गिरीत भीता ... शिव भीता ...
शिव भीता ... शिव भीता ...
शिव भीता ... शिव भीता । अंडारी,
साई भीता भंडारी, शिव भीता । भंडारी,

अंतरा -2

नाव करत अपने सिर कर घर
भस्म गयो मती गारी
ब्रह्ममन्द दे दे जोई कोई माँगे
विश्व भक्तन हितकशी
विश्व भेतान. विश्व भोता - विश्व भीता
विश्व भीता - विश्व भीता - विश्व भीता
विश्व भीता भंडारी, सांधु भीता भंडारी,
सांधु भीता भंडारी, सांधु भीता भंडारी
विश्व भीता । अग्री, सांधु भीता भंडारी
विश्व भीता । अग्री, सांधु भीता भंडारी
विश्व भीता । अग्री, सांधु भीता भंडारी
विश्व भीता भंडारी, सांधु भीता भंडारी